खनिज भंडार

2398. **श्री राम अवधेश सिंह** : क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अब तक प्राप्त जानकारी आधार पर देश में कोयला सहित उपलब्ध खनिजों और उनके सुरक्षित भंडारों तथा प्रत्येक वर्ष निकाली जा रही इनकी मात्रा और अगली योजना अवधि के दौरान इनका खनन किये जाने के लिये निर्धारित किये गये लक्ष्य का ब्यौरा क्या है ;

(ख) सरकारी क्षेत्र में और गैर-सरकारी क्षेत्र में निकाले गये खनिजों की अलग-अलग मात्रा सहित उनका ब्यौरा क्या है ;

(ग) किन-किन खनिजों की कितनी कितनी मात्रा टिस्को को पट्टे पर दी गयी

(घ) क्या बोकारो, दुर्गापुर, राउरकेला और भिलाई इस्पात संयंत्रों को लौह अयस्क का पट्टा अलग-अलग दिया जाता है ;

(ङ) यदि भाग (घ) का उत्तर "ना" में है तो उनकी आवश्यकता की किस प्रकार पूर्ति की जाती है ;

(च) क्या लौह अयस्क तथा अन्य खनिजों जैसे चूना-पत्थर, डोलोमाइट, क्रोमाइट आदि के संबंध में भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड और "टिस्को" द्वारा राज्यों को दी जाने वाली रायल्टी में कोई अन्तर हैं ; और

(छ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव) : (क) से (छ) जानकारी एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

Hindustan Copper Limited

2399. SHRI DHULESHWAR MEENA: Will the Minister of MINES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that accounting irregularities have been detected in the Hindustan Copper Limited, which have also a direct effect on the consumers;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) whether any probe had been ordered into these irregularities; and if so, the outcome thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF MINES (SHRI BALRAM SINGH YADAV): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल) द्वारा नैप्थलीन का उत्पादन

2400. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी** : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) "सेल" के संयंत्रों द्वारा इस समय कितनी नैप्थलीन का उत्पादन किया जा रहा है और गत तीन वर्षों के दौरान संयंत्र वार कितना-कितना उत्पादन किया गया ;

(ख) व्यापारिक कम्पनियों सहित किन-किन कम्पनियों को नैप्थलीन का कोटा दिया जा रहा है और उनको कितना नैप्थलीन आवंटित किया गया; और

(ग) गत तीन वर्षों से अधिक अवधि से किन-किन कम्पनियों को नियमित रूप से कोटा दिया जा रहा है और ऐसी प्रत्येक कम्पनी को कितनी-कितनी मात्रा में नैप्थलीन दिया जा रहा है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) पिछले तीन वर्षों और अप्रैल-नवम्बर, 91 के दौरान नैप्थलीन का संयंत्र वार उत्पादन नीचे दर्शाया गया है :-

(इकाई–टन)

	1988–89	1989–90	1990–91	1991–92 अप्रैल–नवम्बर,91
भिलाई इस्पात संयंत्र	3564	2918	2383	128
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र	1130	980	1128	662
राउरकेला इस्पात संयंत्र	2142	2027	1674	849
बोकारो इस्पात संयंत्र	2631	1302	2081	1209
इंडियन आयरन एंड स्टील कम्पनी	77	25	9	—

(ख) और (ग) अलग-अलग यूनिटों को की गई सप्लाई के आंकड़े केन्द्रीय रूप से नहीं रखे जाते । ये आंकड़े भारी मात्रा में हैं और इनके संग्रहण और प्रक्रमण में काफी समय लगेगा । इस कार्य में लगाये गये समय और प्रयास से अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं होंगे । अपने उपोत्पादों जिनमें नैप्थलीन भी शामिल है, के वितरण और विपणन के लिये सेल के संयंत्र जिन कुछ मानक, मानदंडों और प्रक्रियाओं का पालन करते हैं वे निम्नलिखित हैं :–

उक्त उपलब्ध उपोत्पादों का 85–90% प्रतिबद्ध सप्लाई योजना के तहत दीर्घकालीन योजना के अन्तर्गत बेचा जाता है ।

शेष 10 से 15% उत्पाद (तदर्थ उपलब्धता) को उन ग्राहकों को उनके द्वारा "सेल" से पिछले तीन वर्षों के दौरान उठाये गये माल के आधार पर बेचा जाता है जिन्होंने "सेल" में अपनी मांग पंजीकृत करा रखी हो ।

तदर्थ उपलब्धता का 30% तरजीह आधार पर स्थानीय प्रयोक्ता उद्योग को आवंटित किया जाता है ।

जब तदर्थ उपलब्धता पंजीकृत मांग से अधिक होती है तो अधिशेष मात्रा को इच्छुक ग्राहकों को बेचा जाता है ।

Foreign/NRI Collaboration for Steel Plants

2401. SHRI SANTOSH KUMAR SAHU: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether Government propose to enlist foreign/NRI collaboration to meet the foreign exchange component of the proposed new steel plants;

(b) if so, the number of proposal received from the foreign collaborators, and NRIs so far and the action taken thereon so far; and

(c) the present status of the proposed second steel plant for Orissa?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): (a) and (b) Government of India have no proposal to seek any foreign/NRI collaboration to meet the foreign exchange component of the proposed new steel plants.

(c) An investment decision to set up the proposed second steel plant in Orissa in the central public sector has not so far been taken due to resource constraint. However, Government of Orissa are pursuing the matter separately to set up the above project in the joint sector.